महाराष्ट्र के पालघर के आदिवासी मछली पालकों के लिए "सजावटी मछली के लिए आहार निर्माण और पालन पद्धतियों" पर प्रशिक्षण-सह-सामग्री वितरण कार्यक्रम

पालघर क्षेत्र के आदिवासी किसानों के लिए "सजावटी मछली चारा उत्पादन और उनकी पालन पद्धतियों" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण-सह-सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन 9 से 11 फरवरी 2026 तक आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई द्वारा केवीके पालघर के सहयोग से केवीके, कोस्बाद हिल, पालघर में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सजावटी मछली पालन गांव विकसित करना और महिलाओं एवं आदिवासी युवाओं के लिए आय एवं रोजगार के अवसर पैदा करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के मत्स्य पोषण, जैव रसायन एवं शरीर क्रिया विज्ञान (एफएनबीपी) विभाग के प्रमुख डॉ. के.एन. मोहंता, केवीके पालघर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विलास जाधव, पालघर क्षेत्र के प्रगतिशील और पुरस्कार विजेता मछली पालक श्री यदनेश सावे और आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं समन्वयक डॉ. सिकंदर कुमार ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. जाधव ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और पालघर में सजावटी मछली एवं आहार के महत्व पर प्रकाश डाला। अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. मोहंता ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMSSY) के तहत सजावटी मछलियों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा दिए जा रहे महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि खाद्य मछलियों की तरह, आहार परिचालन लागत का लगभग 50-60% होता है और स्थानीय सामग्रियों का उपयोग करके सजावटी मछलियों के लिए आहार उत्पादन पर व्याख्यान दिया। श्री सावे ने बताया कि मुंबई देश के तीन प्रमुख सजावटी मछली केंद्रों में से एक है, और पालघर क्षेत्र के आदिवासी मछली पालकों के लिए सजावटी मछलियों को लाभ कमाने वाले व्यवसाय के रूप में अपनाने की अपार संभावनाएं हैं, क्योंकि यह मुंबई शहर के बहुत करीब है। डॉ. सिकंदर ने तीन दिवसीय कार्यक्रम और चयनित अनुसूचित जनजाति (ST) किसानों को वितरित की जाने वाली सामग्री के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। उद्घाटन के दौरान, सजावटी मछली उत्पादन पर एक पत्रक, प्रशिक्षण पुस्तिका और एक विस्तार बुलेटिन भी जारी किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 41 अनुसूचित जनजाति किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों के लिए एक्वेरियम निर्माण और उसकी स्थापना, सजावटी मछली पालन, जीवित मछली पालन, दानेदार मछली चारा उत्पादन, आहार खिलाने की विधियाँ और एक्वेरियम प्रबंधन जैसे विभिन्न व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम में कुल 7 सैद्धांतिक और 6

व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए। प्रशिक्षण के अंत में, 40 अनुसूचित जनजाति लाभार्थियों को कांच के एक्वेरियम, एक्वेरियम स्टैंड, सजावटी मछली, आहार, सजावटी पौधे, एयररेटर और एयर स्टोन आदि जैसी महत्वपूर्ण सामग्री वितरित की गई। लाभार्थियों का चयन विभिन्न गांवों से समूहवार किया गया ताकि वे भविष्य में सजावटी मछली पालन व्यवसाय को जारी रख सकें और आजीविका कमा सकें। यह कार्यक्रम बहुत सफल रहा और प्रतिभागियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

Training-cum-input distribution programme on "Ornamental feed production and culture practices" for the tribal fish farmers of Palghar, Maharashtra

The 3-day training-cum-input distribution programme on "Ornamental feed production and their culture practices" for tribal farmers of Palghar region was organised from 9 to 11 February 2026 by ICAR-CIFE, Mumbai, in collaboration with KVK Palghar at KVK, Kosbad Hill, Palghar. The objective of this programme was to develop an ornamental fish village and also to generate the income and employment opportunities for the women and tribal youth. The programme was inaugurated by Dr K.N. Mohanta, Head, Fish Nutrition, Biochemistry and Physiology (FNBP) Division, ICAR-CIFE, Mumbai, Dr Vilas Jadhav, Senior Scientist and Head, KVK, Palghar, Shri Yadnesh Save, a progressive and award winning fish farmers of the Palghar region, and Dr Sikendra Kumar, Senior Scientist, ICAR-CIFE, Mumbai and Coordinator. At the outset, Dr Jadhav welcome the participants and highlighted the importance of ornamental fish and feed in Palghar. In his inaugural speech, Dr. Mohanta emphasised the importance given by both union and state governments for promotion of ornamental fish under Pradhan Mantri Matsya Sampada Yojna (PMSSY). He also said that like food fish, the feed constitutes about 50-60% of the operational cost and delivered a lecture on ornamental feed production by using the local ingredients. Shri Save highlighted the that Mumbai is one three major ornamental fish hubs in the country, there is great scope for taking up the ornamental fish as profit making business by the tribal fish farmers of Palghar region since it is very near to the Mumbai city. Dr Sikendra briefed about the three-day programme and the input to be distributed to the selected Scheduled Tribe (ST) farmers. During the inauguration, a leaflet on ornamental fish production, the training manual and an extension bulletin were also released. A total of 41 ST farmers participated in this programme. During the training programme, the different hands-on practical classes such as-training on fabrication of aquarium and their set-up, ornamental fish breeding and culture live feed culture, pelleted fish feed production, feeding practices and aquarium management were conducted for the participants. A total of 7 theory and 6 practical classes were conducted in the programme. At the end of training, critical inputs such as glass aquarium, aquarium stands,

ornamental fish, feed, ornamental plants, aerators and air stones, etc. were distributed to the 40 ST beneficiaries. The beneficiaries have been selected in group wise from different villages so that the ornamental fish businesses can be continued and sustained in future to earn a living. The programme was a great success with a very positive feedback from the participants.

Fig 1: Release of leaflet, manual and extension bulletin in the programme

Fig 2: Inauguration of the training programme

Fig 3: A glimpse of the participants of the training programme

Fig 4: Inputs arranged for the distribution to the beneficiaries

Fig 5: Distribution of glass aquarium, aquarium stand, feed, fish, air pump etc to the selected beneficiaries

Fig 6: A view of ornamental fish distributed to the beneficiaries

Fig 7: A view of ornamental fish distributed to the beneficiaries

Fig 8: A view of ornamental feed distributed to the beneficiaries

Fig 9: Group photo of the participants with the resource persons

पुढारी

कृषी विज्ञान केंद्रात शोभिवंत मत्स्यपालनाचे प्रशिक्षण

ग्रामीण युवक, महिला व शेतकऱ्यांसाठी तीनदिवसीय उपक्रम

My Palghar Edition
Feb 13, 2026 Page No. 03
Powered by: erelego.com

डहाणू : कृषि विज्ञान केंद्रात शोभिवंत मत्स्य पालनाचे धडे

केंद्रीय मत्स्य शिक्षण संस्था यांचे सहकार्य

सकाळ

Page 2 Select Lang

शोभिवंत मासेपालन उत्पन्नाचा प्रभावी स्रोत

प्रशिक्षण कार्यक्रमात डॉ. केदार मोहंता यांचे प्रतिपादन

महासागर

डहाणू - कोसबाड येथे मत्स्यपालन शिबीर संपन्न

लोकमत

मटा READ

शोभिवंत मत्स्य पालनाचे युवकांना धडे

विविध योजनांबाबत मार्गदर्शन

सहभागिनी बीज, खाद्याचे वाटप

Fig 10: Print media coverage of the programme